TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 147
मंगलवार, 09 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092

email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो की उड़ानें रद्द किए जाने संबंधी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली, 08 दिसम्बर। उच्चतम न्यायालय ने इंडिगो की ओर से सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर सोमवार को तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि केंद्र ने स्थिति का संज्ञान लिया है और इसके समाधान के लिए कदम उठाए हैं।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह इस तथ्य से अवगत है कि लाखों लोग विभिन्न हवाई अड्डों पर परेशानी झेल रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, यह एक गंभीर मामला है। लाखों लोग हवाई अड्डों पर परेशानी झेल रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत सरकार ने समय पर कार्रवाई की है और इस मुद्दे का संज्ञान लिया है। हम समझते हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संबंधी और अन्य

महत्वपूर्ण समस्याएं हो सकती हैं।

एक वकील ने इस मुद्दे का उल्लेख किया और कहा कि पिछले कुछ दिनों में इंडिगो द्वारा कई उड़ानें रद्द की गई हैं और यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा, उड़ानों के रद्द होने की सूचना यात्रियों को नहीं दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि देशभर के 95 हवाई अड्डों पर लगभग 2,500 उड़ानों में देरी के कारण यात्रियों को परेशानी हो रही है। इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान सातवें दिन भी जारी रहा और सोमवार को विमानन कंपनी ने दिल्ली और बेंगलुरु हवाई अड्डों से 250 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं।

दिल्ली हवाई अड्डे से कुल 134 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें रवाना होने वाली 75 और पहुंचने वाली 59 उड़ानें शामिल हैं। बेंगलुरु हवाई अड्डे से 127 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें रवाना होने वाली 62 और पहुंचने वाली 65 उड़ानें शामिल हैं।

इंडिगो दो दिसंबर से सैकड़ों उड़ानें रद्द करने को लेकर सरकार और यात्रियों दोनों की तीखी आलोचना झेल रही है। कंपनी ने इसके लिए पायलटों की नयी उड़ान ड्यूटी और नियमों में बदलाव का हवाला दिया है। उड़ानें रद्द होने के कारण लाखों यात्री देशभर के हवाई अड्डों पर फंस गए हैं।

नासिक में कार 600 फुट गहरी खाई में गिरी, छह लोगों की मौत

नासिक, 08 दिसम्बर। महाराष्ट्र के नासिक जिले के सप्तश्रृंग गढ़ घाट इलाके में रविवार को एक कार के 600 फुट गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार छह लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना शाम चार बजे हुई और मृतक निफाड़ तालुका के पिंपलगांव बसवंत के रहने वाले थे। उन्होंने बताया, कार सवार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

टोयोटा इनोवा वाहन में सात यात्री सवार थे। मृतकों की पहचान कीर्ति पटेल (50), रसीला पटेल (50), विट्ठल पटेल (65), लता पटेल (60), वचन पटेल (60) और मणिबेन पटेल (70) के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल बचाव अभियान की निगरानी

कर रहे हैं। स्थानीय उप कलेक्टर और जिला आपदा प्राधिकरण के सीईओ रोहित कुमार राजपूत ने बताया कि पुलिस और जिला आपदा प्रबंधन समिति के कर्मियों की तैनाती के साथ बचाव अभियान जारी है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

कार्यकताओं की बदौलत 2028 में फिर बनेगी भाजपा की सरकार: भजनलाल शर्मा

जयपुर, 08 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण से संगठन मजूबत होता है और इसकी बदौलत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2028 के विधानसभा चुनाव में फिर से राज्य में सरकार बनाएगी। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी भाजपा राज्य मुख्यालय में नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली बैठक को संबोधित करते हुए की।

शर्मा ने कहा, भाजपा कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण के बल पर ही संगठन मजबूत होता है और इन्हीं कार्यकताओं की बदौलत 2028 में फिर से राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के पदाधिकारी कार्यकताओं के साथ आपसी समन्वय बनाकर टीम भावना

के साथ कार्य करें तथा पदाधिकारियों की निर्णय क्षमता ऐसी होनी चाहिए जो जनता के कल्याण में सहायक सिद्ध हो।

आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकताओं को जोड़ना अत्यंत आवश्यक है और यह सतत प्रक्रिया है। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने की।

बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों का परिचय, संगठन की मजबूती तथा सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनहितैषी और लोक कल्याणकारी नीतियों पर उत्कृष्ट काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं व युवाओं सहित समाज के हर वर्ग के लिए नई योजनाएं शुरू कर रही है।

राठौड़ ने पदाधिकारियों से अपील की कि कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और मिथ्या प्रचार का तथ्यों के साथ मुकाबला करें, क्योंकि कांग्रेसी नेता असत्य का सहारा लेकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

अनुराग ठाकुर ने संसद में राहुल-प्रियंका पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 08 दिसम्बर। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में शामिल नहीं होने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की आलोचना की और कहा कि गांधी परिवार वंदे मातरम पर चर्चा करने से डरता है। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान संसद के निचले सदन को संबोधित करते हुए, अनुराग ठाकुर ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनका संबोधन आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में काम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे मातरम पर चर्चा की शुरूआत की। वंदे मातरम के 100वें वर्षगांठ वर्ष में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और संविधान की धज्जियाँ उड़ा दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में वंदे मातरम के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व

को सामने रखा। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बनेगा, जो बताएगा कि कैसे वंदे मातरम ने राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया।

वंदे मातरम की सराहना करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि यह राष्ट्र की आत्मा का गीत है और एक ्रमहामंत्र्र है। उन्होंने सदन में कहा कि यह सिर्फ.एक गीत नहीं, बल्कि एक महामंत्र है। यह किसी धर्म, व्यक्ति या राज्य का गीत नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, गौरव और आकांक्षाओं का गीत है। यह राष्ट्र प्रेम की परंपरा है, इसीलिए कांग्रेस इससे डरती है। वे इतने डरे हुए हैं कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा शुरू की, तो इतने लंबे समय तक शासन करने वाले परिवार के दो सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आज लोकसभा में दिया गया भाषण एक ऐतिहासिक दस्तावेज बन गया है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। वंदे मातरम एक ऊर्जा है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह एक एलर्जी है। जुलाई 2018 में राहुल गांधी ने कहा था कि वंदे मातरम की केवल एक पंक्ति बोलें, नेहरू जी ने वंदे मातरम को दो छंदों तक सीमित कर दिया, और आज दोनों भाई-बहन लोकसभा से गायब हो गए।

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में चर्चा के दौरान राहुल गांधी की अनुपस्थिति की भी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रगीत से समझौता किया और मुस्लिम लीग के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। शीतकालीन सत्र के छठे दिन लोकसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि संसद में गंभीर चर्चा चल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी सदन में मौजूद नहीं हैं। पहले नेहरू और अब राहुल गांधी ने वंदे मातरम का अनादर किया है।

मंड्या में कार पलटने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

मंड्या। मंड्या में एक कार के पलटकर खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें दो महिलाएं भी हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन मंड्या जिले के नागमंगला में बेंगलुरु-मंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक पुल से टकरा गया।

मृतकों की पहचान चंद्रगौड़ा (62) और सरोजम्मा (57) के रूप में हुई है, दोनों चिकमंगलूर निवासी थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के समय वे अपने गृहनगर लौट रहे थे। मद्दुर तालुका के अगरलिंगन्ना डोड्डी के पास एक अन्य घटना में, एक निजी बस सर्विस रोड पर पलट गई, जिससे 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने यात्रियों को बचाने में मदद की।

अमूर्त विरासत कई मायनों में संस्कृति की सबसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति : जयशंकर

नई दिल्ली, 08 दिसम्बर। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला परिसर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण पर यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक के उद्घाटन समारोह में जयशंकर ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से कहा कि शांति और समृद्धि की साझा खोज में विरासत को पोषित करना और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईसीएच) का 20वां सत्र आठ से 13 दिसंबर तक लाल किले में आयोजित होगा। यह पहली बार है, जब भारत यूनेस्को पैनल के किसी सत्र की मेजबानी कर रहा है।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के महानिदेशक खालिद अल-एनानी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी शर्मा शामिल हुए।

जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत कई यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का स्थान होने के साथ साथ दुनिया भर में कई संरक्षण और संवर्धन परियोजनाएं संचालित कर रहा है और इस जुड़ाव का एक प्रमुख आयाम अमूर्त विरासत का संरक्षण है। उन्होंने कहा, विश्व मूलतः एक बहुलवादी परिदृश्य है, एक ऐसा परिदृश्य जिसकी समृद्धि इसकी विविधता और जटिलता में निहित है। यह सपाट नहीं है, बल्कि यहां विशिष्टताओं और विशेषताओं की एक विशाल श्रृंखला है, यहां रचनात्मकता है, जो पहचान, गौरव और इतिहास के लिहाज से अहम है।

जयशंकर ने कहा, मानव जाति ने सदियों से जो कुछ अर्जित किया है, उसकी पूरी से सराहना तभी की जा सकेगी, जब उस विरासत को सावधानीपूर्वक पोषित किया जाएगा।

विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस संदर्भ में चुनौतियां तब उत्पन्न होती हैं, जब हावी होने, दरकिनार करने, खारिज करने या यहां तक कि नष्ट करने के प्रयास किए जाते हैं। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित लाल किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एएसआई द्वारा संरक्षित एक स्मारक है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

तमिलनाडु में केवल विकास की राजनीति ही चलेगी: एम के स्टालिन

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को मदुरै में वीरमंगई वेलु नाचियार फ्लाईओवर का उद्घाटन किया और कहा कि उनकी सरकार विकास की राजनीति पर केंद्रित है, जबकि अन्य दल एक अलग तरह की राजनीति में संलग्न हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पेरियार की धरती पर विभाजनकारी राजनीति नहीं चलेगी। अट्ठारहवीं शताब्दी की शिवगंगा की रानी वेलु नाचियार को व्यापक रूप से, 1772 में उनके पति की हत्या के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाली पहली भारतीय रानी के रूप में जाना जाता है। बाद में शासन के द्रविड़ मॉडल का जश्न मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्टालिन ने दोहराया कि विभाजनकारी राजनीति को पराजित किया जाएगा क्योंकि पेरियार द्वारा जलाई गई आग अभी भी तमिलनाडु में जल रही है।

गोवा हादसाः झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

-ललित गर्ग

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह संबंध और सुविधा शुल्क काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं-दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, उच्च स्तरीय जांच की जाएगी, मुआवजा दिया जाएगा, लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर नहीं है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है। यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। पर दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है। हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरूआत बनाएं।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

-रमेश सर्राफ धमोरा

10 दिसम्बर मानवाधिकार दिवस पर विशेष

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर है। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है। 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है। पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

पंजाब में स्टाफ नर्सों की भारी कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं पर सवालिया निशान

(सुभाष आनंद - विभूति फीचर्स)

वैसे पंजाब सरकार लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए बड़े-बड़े दावे कर रही है लेकिन सच्चाई दावों से कोसों दूर है। सरकार की तरफ से सिर्फ खोखले एवं झूठे दावे किए जा रहे है। कुछ समय पहले डेंगू से पंजाब में हुई मौतों ने यह वास्तविकता उजागर कर दी है कि सरकारी और प्राईवेट अस्पतालों में अति महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा संभाल की भारी कमी है, यदि यही स्थिति चलती रही तो आने वाले 10 वर्षों में भारत के सारे अस्पताल बंद होने के कगार पर पहुंच जाएंगे। भारत में इस समय 18 लाख नर्सों की कमी है। 2020 में नर्सों की कुल संख्या 20 लाख 18 हजार थी, जो कि अब कम होकर 17 लाख 22 हजार तक रह गई है। पंजाब में 25 हजार नर्सों की कमी चल रही है। प्राईवेट सैक्टर में अनट्रेंड स्टाफ नर्सों से काम लिया जा रहा है। देश में नर्सिंग ट्रेनिंग कालेजों व संस्थाओं में बहुत कम दाखिले हो रहे है। कई अच्छे नर्सिंग ट्रेनिंग सैंटर बंद हो चुके है या फिर बंद होने के कगार पर है। इस समय अमेरिका, इटली, स्पेन और यूरोपियन देशों में स्टाफ नर्सों की भारी कमी है, इसलिए पूर्वी एशिया और दक्षिणी अमेरिका की स्टाफ नर्सों के लिए इन देशों ने दरवाजे पूरी तरह से खोल दिए है। जबकि भारत में केरल प्रांत में नर्सों की संख्या सबसे ज्यादा पाई जा रही है। पूरे पंजाब में अस्पतालों में स्टाफ नर्सों के आधे से ज्यादा पद खाली पड़े है। जिसके कारण अन्य तैनात नर्सों को दो-दो वार्डों में ड्यूटी करनी पड़ रही है और उनकी छुट्टियों पर भी रोक लगा दी गई है।

कई अस्पतालों में नाईट ड्यूटी करने आई स्टाफ नर्सें अपने कमरे में सोई रहती है, चाहे मरीज जितनी भी पीड़ा से चिल्लाता रहे। इसी कारण नर्स का पेशा अपना सम्मान खोता जा रहा है। जच्चा-बच्चा वार्ड में काम करने वाली स्टाफ नर्सें अच्छा वेतन पाने के बावजूद बधाई की मांग अवश्य करती है। केरल के नर्सें जहां मरीजों के प्रति सहानभूति दिखाती है, वहीं पंजाब की नर्सें मरीजों से रुखा व्यवहार करती नजर आती है।

दूसरी ओर नर्सिंग पेशे की अपनी भी अनेक समस्याएं हैं। यहां आगे बढ़ने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। पंजाब में 20 वर्ष काम कर चुकी स्टाफ नर्सों को दवाई लिखने तक का अधिकार नहीं है। यूरोपियन देशों में 70 फीसदी मरीजों के आप्रेशन केसों में बेहोश करने की महत्वपूर्ण भूमिका जहां स्टाफ नर्सें अदा कर रही है, वहीं पंजाब के सरकारी अस्पतालों में यह भूमिका स्वास्थ्य विभाग के डाक्टर करते है। मरीज के आप्रेशन के पश्चात नर्सिंग केयर की भूमिका अति महत्वपूर्ण समझी जाती है। अधिकतर अस्पतालों में जिन मरीजों को अधिकतर सेवा संभाल की जरुरत होती है, वहां नर्सें ही वैंटीलेटर पर लगे हुए मरीजों की देखभाल करती है, परंतु पंजाब के कई अस्पतालों में ट्रेंड स्टाफ की कमी के कारण वैंटीलेटर बंद पड़े है। स्टाफ नर्सों की भारी कमी के कारण लोग प्राईवेट अस्पतालों की तरफ रुख कर रहे है, जहां मरीज ने अस्पताल में कितना समय गुजारना है यह डाक्टर तय करते है। लेकिन मरीजों की देखभाल में डाक्टरों से ज्यादा स्टाफ नर्स की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। हमारे देश में 27 हजार से अधिक प्राइमरी हैल्थ सैंटर है, अधिकतर प्राइमरी हैल्थ सैंटर पर डाक्टरों के पद खाली है। पंजाब सरकार को नर्सिंग स्टाफ की समस्याओं पर गंभीर विचार करने की जरुरत है। उनकी विभागीय मांगों पर सहानभूति से विचार करने की जरुरत है। स्टाफ नर्सों की कमी के कारण पंजाब में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित हो रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार पंजाब के वातावरण को खराब करने के लिए कई आतंकी संगठन सक्रिय होते नजर आ रहे है। पश्चिमी बंगाल की घटना के पश्चात स्टाफ नर्सों को ड्यूटी के समय सुरक्षा का जो पंजाब सरकार ने वादा किया वह अभी तक पूरा नहीं हो सका। पंजाब के अस्पतालों में 50 फीसदी नर्सों की कमी है। जब लगातार सेवा संभाल करने वाले कर्मचारी मौजूद नहीं होंगे तो मरीज भयभीत होने लगते है। ऐसी स्थिति में मरीजों की सुरक्षा को सरकार को यकीनी बनाना चाहिए। प्राईवेट सैक्टर में नर्सों की कमी को दूर करने के लिए अनुभवहीन स्टाफ की भर्ती की जाती है, वह भी कम चिंता की बात नहीं है। हमारे देश में 25 हजार प्राइमरी हैल्थ सैंटर में डाक्टरों के पद खाली है। ऐसे में लाचार ग्रामीण मरीजों को नीम-हकीम की तरफ से लूटा जा रहा है, यदि इन प्राइमरी हैल्थ सैंटरों पर तजुर्बेकार नर्सों को तैनात कर दिया जाए तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधां उपलब्ध करवाई जा सकती है। पंजाब में अस्पतालों में वैंटिलेटर चलाने के लिए ट्रेंड स्टाफ नर्सों की भारी कमी है। यदि सिविल अस्पताल फिरोजपुर की बात की जाए तो यहां पर 48 पद स्टाफ नर्सों के मंजूर है, जिसमें से 34 स्टाफ नर्से ही काम कर रही है, जबकि 14 पद रिक्त पड़े है। रात के समय सुरक्षा का कोई कर्मचारी नहीं होता। नर्सों की कमी होने के कारण नर्सिंग केयर की क्वालिटी पर सीधा असर पड़ रहा है।

ताइवान को दूसरा यूक्रेन बनाने की अमेरिकी तैयारी और भारतीय दृष्टिकोण की अहमियत

संजीव ठाकुर

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ वैश्विक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है, और इसी शक्ति संघर्ष के केंद्र में ताइवान खड़ा है, जिसे अमेरिका और चीन के बीच तनाव की धुरी माना जाने लगा है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने विश्व को यह दिखा दिया है कि महाशक्तियों के भू-राजनीतिक खेल में छोटे देश किस तरह तबाह हो जाते हैं, और अब यही खतरा ताइवान के सिर पर मंडरा रहा है। अमेरिका द्वारा ताइवान को लगातार सैन्य, राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है, ठीक उसी तरह जैसे यूक्रेन को रूस के विरुद्ध भड़काया गया था। इतिहास गवाह है कि अमेरिका जिस देश का समर्थन करता है, वह अंततः संकट की कगार पर पहुंच जाता है ल्लअफगानिस्तान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहाँ तालिबानी आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक संघर्ष के समय अमेरिका ने रातों-रात सेना वापस बुलाकर अफगानिस्तान को अराजकता और खूनी सत्ता-परिवर्तन के हवाले कर दिया। यूक्रेन को रूस के विरुद्ध खड़ा करने का परिणाम दुनिया देख चुकी है—अरबों का नुकसान, लाखों निर्दोष लोगों की मौतें, शहरों का मलबा, और युद्ध का अंत आज तक नहीं। अमेरिका और नाटो के राष्ट्र बाहर बैठकर तमाशबीन बने रहे, हथियार बेचे, राजनीति चमकाई, पर जमीन पर कोई निर्णायक समर्थन नहीं दिया। अब ताइवान पर यही खेल दोहराया जा रहा है।

अमेरिका द्वारा ताइवान की संप्रभुता जैसी संवेदनशील विषय पर खुला समर्थन, ह्लरणनीतिक अस्पष्टताह्व की नीति के बजाय स्पष्ट हस्तक्षेप का संकेत देता है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा, चीन की कड़ी चेतावनियों के बावजूद, अमेरिका की उस रणनीति को दर्शाती है जो चीन-विरोधी शक्ति संतुलन बनाने के लिए ताइवान को मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रही है। चीन ने इस यात्रा को अपनी संप्रभुता में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप बताया और सैन्य कार्रवाई की खुली धमकी दी, उसकी सेना ने ताइवान के चारों ओर लाइव-फायर सैन्य अभ्यास का ऐलान करते हुए युद्ध-स्तरीय तैयारी शुरू कर दी। नैंसी पेलोसी ने ताइवान पहुंचकर कहा कि 23 मिलियन ताइवानी लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका की है। ऐसे बयान यूक्रेन युद्ध की शुरूआत से पहले अमेरिका द्वारा दिए गए बयानों जैसे ही प्रतीत होते हैं, जहाँ यूक्रेन को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया गया, पर युद्ध शुरू होते ही अमेरिका ने सुरक्षित दूरी बना ली।

चीन 20 वर्ष पहले वाला देश नहीं। सैन्य, आर्थिक और सामरिक क्षमता में वह विश्व की शीर्ष तीन शक्तियों में है। रूस-यूक्रेन युद्ध में उसने रूस का समर्थन कर यह संकेत दिया कि वह पश्चिमी गठबंधन को चुनौती देने के लिए तैयार है। यदि चीन और अमेरिका के बीच ताइवान विवाद खुली लड़ाई में बदलता है, तो यह केवल स्थानीय संघर्ष नहीं होगा बल्कि तीसरे विश्व युद्ध की संभावना को जन्म दे सकता है। अमेरिका, यूरोप और नाटो यदि ताइवान के समर्थन में खड़े होते हैं और रूस चीन के साथ, तो विश्व युद्ध की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

अब इस प्रसंग को भारत के संदर्भ से समझना अत्यंत आवश्यक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक नीति, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी सामरिक भूमिका और चीन के साथ उसके सीमा विवाद ने इस पूरे परिदृश्य को हमारे लिए अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। भारत-चीन सीमा पर 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच विश्वास पूरी तरह टूट चुका है। चीन पाकिस्तान के माध्यम से भारत को घेरने की नीति (CPEC, ग्वादर पोर्ट) पहले ही चला रहा है, और अब यदि ताइवान-संघर्ष बढ़ता है, तो चीन दक्षिण एशिया में सैन्य और रणनीतिक दबाव बढ़ा सकता है। ऐसे में भारत का अत्यंत सावधानी से कदम चुनना अनिवार्य है।

भारत QUAD का सदस्य है—जिसमें अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन का संतुलन बनाने के लिए जुड़े हैं। यदि ताइवान में संघर्ष बढ़ता है, तो अमेरिका भारत से खुलकर समर्थन की अपेक्षा करेगा। पर भारत के लिए यह निर्णय आसान नहीं, क्योंकि चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है, और सीमा से सटे देशों में अस्थिरता भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाएगी। यदि ताइवान युद्ध होता है, तो वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन टूट जाएगी, जिसका सबसे बड़ा प्रभाव भारत की तकनीकी-आर्थिक व्यवस्था पर पड़ेगा। ताइवान विश्व का 65-70% चिप निर्माण नियंत्रित करता है। चिप-कंपनियों के ध्वस्त होने का मतलब—मोबाइल, कंप्यूटर, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो-उद्योग, उपग्रह-तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्वास्थ्य भारत अभी सेमीकंडक्टर उत्पादन के राष्ट्रीय मिशन पर काम कर रहा है, पर युद्ध की स्थिति में यह प्रयास पर्याप्त सिद्ध नहीं होगा। ऊर्जा, ईंधन और आयात-निर्यात असंतुलन भी भारत को आर्थिक रूप से चुनौती देगा। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत को कच्चा तेल, गैस और खाद्य-सामग्री के मूल्य वृद्धि का जोखिम झेलना पड़ा है—ताइवान युद्ध उसका कई गुना व्यापक प्रभाव ला सकता है।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि क्या वह पश्चिमी दबाव में अमेरिका के पक्ष में खड़ा हो या अपनी कूटनीतिक स्वतंत्रता ह्लरणनीतिक स्वायत्तताह्व को सुरक्षित रखे। भारत का हित युद्ध में नहीं, शांति में है। भारत वैश्विक मध्यस्थता की भूमिका निभाकर कूटनीतिक नेतृत्व दिखा सकता है। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध में भी यही नीति अपनाई—न किसी का अंध समर्थन, न विरोध—केवल राष्ट्रहित।

आज विश्व को जरूरत युद्ध की नहीं, संवाद की है। यदि अमेरिका ताइवान को यूक्रेन की तरह मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा और चीन के साथ उसकी प्रत्यक्ष भिड़ंत हुई, तो परिणाम पूरी मानवता के भविष्य को संकट में डाल देंगे। भारत को ऐसे समय में विश्व-राजनीति में संतुलनकारी भूमिका निभाने का अवसर भी है और दायित्व भी—क्योंकि भारत सभ्यता-आधारित शांतिपूर्ण विचारधारा का प्रतीक है।

दुनिया को चाहिए कि ताइवान को दूसरा यूक्रेन न बनने दे और महाशक्तियाँ अपने स्वार्थों के लिए छोटे देशों को युद्ध में न झोंकें। यदि कूटनीति विफल हुई, तो आने वाला समय मानव-इतिहास का सबसे खतरनाक अध्याय होगा। भारत को सावधानी, विवेक, स्वायत्त रणनीति और वैश्विक शांति-नेतृत्व का मार्ग चुनना होगा, क्योंकि ताइवान-संघर्ष केवल एशिया का नहीं, पूरी मानवता का संकट होगा।

विरासत, पहचान और जिंदा रहने का जरिया है हिमाचल

एक पक्की हिमाचली होने के नाते, जिसे प्रदेश, सीधे-सादे लोग और खूबसूरत पहाड़ पसंद हैं, मुझे चिंता है कि हिमाचल प्रदेश में जमीन कभी भी सिर्फ एक आर्थिक संपत्ति नहीं रही है। यह हमारी संस्कृति, हमारी स्थिरता और हमारे नाजुक पहाड़ी पारिस्थितिकी की नींव है। टेनैंसी एंड लैंड रिफॉर्म्स एक्ट का सैक्शन 118 ठीक इसी समझ के साथ बनाया गया था कि हिमालयी राज्य में जमीन को एक वस्तु की तरह नहीं माना जा सकता तथा लोगों, इलाके और लंबे समय तक चलने वाली स्थिरता पर पड? वाले नतीजों पर विचार किए बिना आजादी से ट्रेड नहीं किया जा सकता। जैसे-जैसे सैक्शन 118 को कम करने या खत्म करने पर बहस तेज हो रही है यह समझना जरूरी है कि असल में क्या दांव पर लगा है। हिमालय कोई आम इलाका नहीं है।

यह दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप के लिहाज से एक्टिव इलाकों में से एक है, जिसे भूकंप के लिए रैड जोन माना जाता है और यह लैंडस्लाइड, ढलान टूटने और अचानक बाढ़ के लिए बहुत ज्यादा संवेदनशील है। इस लैंडस्केप में जोड़ी गई हर सड़क, होटल, रिटेनिंग वॉल, पहाड़ी का कटाव या कंकरीट स्लैब इसकी स्थिरता को बदल देता है। ऐसे राज्य में जहां पहाड़ों पर पहले से ही दबाव है, बड़े पैमाने पर बाहरी निवेश के लिए जमीन खोलने के विचार पर आज जितनी गंभीरता से बातचीत हो रही है,उससे कहीं ज्यादा गंभीरता से बातचीत करने की जरूरत है।

बदलाव के समर्थक तर्क देते हैं कि जमीन के नियमों में ढील देने से निवेश आएगा, पर्यटन बढ़ेगा और ग्रोथ बढ़ेगी लेकिन यह कहानी कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज करती है कि हिमालय में ज्यादा निवेश का मतलब जरूर ज्यादा निर्माण होगा जिसमें ज्यादा होटल, होमस्टे,सड़कें, मॉल,विला, रियल एस्टेट प्रोजैक्ट,वेयरहाऊस और कमर्शियल कॉम्प्लैक्स शामिल होंगे। और हिमाचल के मामले में, ह्यज्यादा कंस्ट्रक्शनह्न सिर्फ विकास का सवाल नहीं है, यह आपदा जोखिम गुणक है। हम पहले ही देख चुके हैं कि बिना सोचे-समझे किया गया विकास कैसा दिखता है। शिमला, मनाली, धर्मशाला और कसौली जैसे शहर बिना कंट्रोल के हो रही बिल्डिंग एक्टिविटी के बोझ तले दबे हुए हैं। उन्होंने अपनी सुंदरता खो दी है और झुग्गी-झोंपडि?ं जैसे दिखते हैं। कंकरीट के लिए जगह बनाने के लिए पहाडि?ं को सीधा काटा जा रहा है, नालियों को ब्लॉक किया जा रहा है, जंगल कम किए जा रहे हैं, ढलानों को अस्थिर किया जा रहा है और बिना भू-तकनीकी आकलन के फुटपाथों को सड़कों में बदल दिया जा रहा है। मानसून के दौरान बार-बार होने वाले लैंडस्लाइड और सड़कों और मल्टी-स्टोरी इमारतों का डरावने ढंग से गिरना कोई हादसा नहीं है ये तो इसके नतीजे हैं।

सैक्शन 118 को हटाने या कमजोर करने से न सिर्फ इस ट्रैंड को बढ़ावा मिलेगा बल्कि यह और तेज हो जाएगा। तर्क आसान है। जब जमीन बाहरी अमीर लोगों के खरीदने के लिए खुल जाती है तो कीमतें बढ़ जाती हैं, डिवैल्पर्स आ जाते हैं और रियल एस्टेट खेती, बागवानी या इकोलॉजी से ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। नजारा रहने की जगहों से कंस्ट्रक्शन हॉटस्पॉट में बदल जाता है। एक हिमालयी राज्य के लिए यह विकास नहीं है, यह एक इकोलॉजिकल टिपिंग पॉइंट है।

सुधार के समर्थक अक्सर कहते हैं कि सैक्शन 118 आर्थिक क्षमता को रोकता है। लेकिन हिमाचल की अर्थव्यवस्था इसकी इकोलॉजी में है, सेब के बागों, सीढ़ीदार खेतों, झरनों, हिमालय की बायोडायव?सटी, कुदरती खूबसूरती में बसा टूरिज्म और ऐसे पहाड़ों में जो टूरिस्ट को

कोकिलाबेन अस्पताल ने रचा इतिहास, रोबोटिक तकनीकी से निकाला गया विश्व का सबसे बड़ा सौम्य प्रोस्टेट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय यूरोलॉजी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए, वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट एवं एंड्रोलॉजिस्ट डॉ. संजय पांडे ने विश्व का अब तक का सबसे बड़ा सौम्य (बेनाइन) प्रोस्टेट रोबोटिक सर्जरी द्वारा सफलतापूर्वक निकाला है। अत्याधुनिक, उच्च-सटीकता वाली न्यूनतम इनवेसिव तकनीक से किए गए इस ऑपरेशन में 550 ग्राम से अधिक वजन वाली ग्रंथि को मात्र 2 घंटे 55 मिनट में सुचारू रूप से हटाया गया। तुलना हेतु, विश्व में अब तक रोबोटिक तकनीक से निकाला गया सबसे बड़ा प्रोस्टेट कैंसर 560 ग्राम (अमेरिका) दर्ज हुआ था, जबकि भारत में सबसे बड़ा बेनाइन प्रोस्टेट 437 ग्राम था। रोगी, जो अत्यधिक बढ़े हुए प्रोस्टेट के कारण गंभीर मूत्र अवरोध और जटिलताओं से जूझ रहे थे, ने ऊंश्लल्लू रोबोटिक सिस्टम की मदद से रोबोटिक फ्रेयर प्रोस्टेटेक्टोमी करवाई। अत्यधिक आकार और जटिल एनाटॉमी के बावजूद यह सर्जरी अद्भुत सटीकता, अत्यल्प रक्तस्राव और उत्कृष्ट प्रारंभिक रिकवरी के साथ पूरी की गई, जो विशेषज्ञ हाथों में उन्नत रोबोटिक तकनीक की क्षमता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। डॉ. संजय पांडे, (निदेशक यूरोलॉजी) ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक शल्य-मील का पत्थर नहीं है—यह इस बात का प्रमाण है कि भारत में रोबोटिक यूरोलॉजी कितनी तेजी से आगे बढ़ी है। हमारा उद्देश्य हमेशा सुरक्षित सर्जरी, तेज रिकवरी और हर जटिल रोगी के लिए बेहतर दीर्घकालिक परिणाम सुनिश्चित करना है।इस कार्य में ग्रंथि को कैप्सूल से पूर्णतः निकालने, ग्रंथि को रक्तहीन करने के बाद उसे दो भागों में विभाजित कर पेट में पहुंचाने, तथा कैमरा पोर्ट के माध्यम से बिना कोई नई चीरा लगाए दोनों हिस्सों को अलग-अलग बैग में बाहर निकालने जैसी महत्वपूर्ण तकनीकी नवाचार शामिल थे। इस प्रकार यह वास्तव में पूरी तरह से न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी सिद्ध हुई। इतने विशाल स्तर की इस सफल प्रक्रिया ने कोकिलाबेन अस्पताल की प्रतिष्ठा को एक राष्ट्रीय अग्रणी केंद्र के रूप में और सुदृढ़ किया है, विशेषकर जटिल रोबोटिक यूरोलॉजिकल सर्जरी में।

बेनाइन और रिकंस्ट्रक्टिव यूरोलॉजी में डॉ. पांडे की विशेषज्ञता तथा बड़े आकार की ग्रंथियों (150-310 ग्राम) को रोबोटिक पद्धति से हटाने का दो दशक का अनुभव इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण रहा। 73 वर्षीय पेसमेकर वाले मरीज में अत्यधिक रक्तवाहिनी संरचना वाले संकुचित क्षेत्र में डिसेक्शन कर इतनी बड़ी ग्रंथि को बिना बाहरी चीरा लगाए हटाना अपने-आप में असाधारण कौशल और तकनीकी नवाचार का उदाहरण है। बहुत बड़े प्रोस्टेट को न्यूनतम इनवेसिव रोबोटिक तकनीक से हटाना वास्तव में एक यूरेथ्रा-संरक्षण पद्धति है, जिससे संभावित जटिलताएँ न्यूनतम हो जाती हैं।

पालघर जिला परिषद में मनाई गई संताजी महाराज जगनाडे की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। संत तुकाराम महाराज के शिष्य, आध्यात्म, भक्ति व समाजजागरण के प्रखर प्रतीक संताजी महाराज जगनाडे की जयंती जिला परिषद पालघर में श्रद्धा व आदरपूर्वक मनाई गई। संताजी महाराज ने अभंग रचनाओं के माध्यम से समाजप्रबोधन, मानवधर्म और सद्भावना का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। उनके द्वारा रचित ह्यसंताजी अभंगह्न आज भी समाज को सत्य और सेवा के मार्ग पर अग्रसर करते हैं।

इस अवसर पर मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे तथा उपमुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी विकास पाटील ने संताजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर विनम्र अभिवादन किया। वहीं सहायक जिला आरोग्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर संताजी महाराज को नमन किया। कार्यक्रम में जिला परिषद के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और संत परंपरा के अनुकरण तथा समाजहित के संकल्प को दोहराया।

चिंचोली गावठाण, मालाड पश्चिम में स्वास्थ्य शिविर, 150 से अधिक नागरिकों ने लिया लाभ

मुंबई। मालाड पश्चिम स्थित चिंचोली कोळी समाज मित्र मंडल, गणेश मंदिर, चिंचोली गावठाण में वार्ड 50 के अंतर्गत भव्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। प्राध्यापक मिहिर किसन भोइर के विशेष प्रयासों से आयोजित इस शिविर में 150 से अधिक नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच और उपचार का लाभ उठाया। प्रा. मिहिर किसन भोइर ने नागरिकों के स्वास्थ्य की देखभाल को ध्यान में रखते हुए इस शिविर का आयोजन किया। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयाँ और विशेषज्ञों की मार्गदर्शन सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। विशेषकर उन बुजुर्गों और जरूरतमंदों के लिए यह शिविर अत्यंत उपयोगी साबित हुआ जिनके लिए चिकित्सीय सेवाएँ आसानी से उपलब्ध नहीं हो पातीं। इस अवसर पर बोलते हुए प्रा. मिहिर किसन भोइर ने बताया कि समाज के हर तबके तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना कितना आवश्यक है। उन्होंने कहा, अच्छा स्वास्थ्य हर नागरिक का मूल अधिकार है और ऐसे शिविरों के माध्यम से हम इसे पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर जमकर साधा निशाना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई कांग्रेस उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ की ओर से शुरू की संवाद उत्तर भारतीयों से-चर्चा मुद्दों पर के पहले कार्यक्रम में मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष सांसद वर्षा गायकवाड ने कहा कि चुनाव के समय भाजपा धर्म, मंदिर मस्जिद का मुद्दा उठाकर जनता की समस्याओं से ध्यान भटकाने का काम करती है. उन्होंने कहा कि भाजपा की नजर अब आरे डेरी की जमीनों पर है। रविवार को आरे कालोनी के सेक्टर 8 में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भाजपा उत्तर भारतीयों का वोट लेती है लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं करती है. महाराष्ट्र में कांग्रेस सरकार बनने के बाद उत्तर भारतीयों को मंत्री बनाया जाता था लेकिन भाजपा सरकार में उत्तर भारतीयों को कोई तवज्जो नहीं दिया जाता है. गायकवाड ने कहा कि इस देश में श्वेत क्रांति कांग्रेस सरकार के समय आई ओर अब दूसरे देशों से पावडर का दूध मंगाया जा रहा है. जिस आरे तबेले से मुंबई के लोगों दूध आपूर्ति होती है उसे भी खत्म करने का प्रयास हो रहा है.

पूर्व मंत्री और आमदार असलम शेख ने कहा की बीएमसी चुनाव के घोषणा पत्र में उत्तर भारतीयों की समस्याओं को भी साथ दिया जाएगा और बीएमसी में कांग्रेस की सत्ता आने पर उसे प्रमुखता से हल किया जाएगा. कुछ लोग भाषा के नाम पर राजनीति कर रहे हैं लेकिन हम मुद्दों पर बात करना चाहते है.

उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एड. अवनीश तीर्थराज सिंह ने कहा कि जब भी चुनाव आता है तो जाति धर्म की बात होने लगती है. कांग्रेस पार्टी उत्तर भारतीयों की हितैषी है और

आम जनता के हितों के लिए संघर्ष करती रहेगी. उन्होंने कहा कि आरे कालोनी में अब कमर्शियल उपयोग हो रहा है. भाजपा सरकार के समय में उत्तर भारतीयों को उत्पीड़न बढ़ने लगा है. उत्तर भारतीयों का तबेला मुख्य व्यवसाय रहा है. आरे के बाहर के तबेलों को स्थांतरित करने के बाद दापचारी की तबेलों वालों की समस्या बढ़ी है.

पूर्व उप महापौर राजेश शर्मा ने कहा कि कभी मुंबई का कई हार्ट मुंबई का तबेला हुआ करता था. इस व्यवसाय से लाखों लोग जुड़े हुए हैं. जवाहर लाल नेहरू मुंबई शहर से विस्थापित तबेलों को आरे में बसाया. लेकिन भाजपा की सरकार आने के बाद तबेलों को मिलनी वाली सुविधाएं धीरे धीरे खत्म की जा रही है. उन्होंने कहा कि आरे तबेले किराएदारों को उनको मालिकाना हक मिलना चाहिए. दापचेरी के तबेलों को सुविधाओं की कमी है.मुंबई शहर के तबेलों को आरे में शिफ्ट करना चाहिए और बिल्डिंग निर्माण में एफएसआई चारगुना होना चाहिए. उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीयों को ट्रेन से गांव जाना अब नारकीय हो गया है. मुंबई से बनारस, पटना, गोरखपुर के लिए 5 स्टॉप वाली ट्रेन चलाना चाहिए.

कांग्रेस उत्तर भारतीय जिला अध्यक्ष राजपति यादव ने कहा कि भाजपा उत्तर भारतीयों की वोट तो लेती है लेकिन तबेलों वालों पर ध्यान नहीं देती है. रत्नेश सिंह ने कहा कि दूध का व्यवसाय उत्तर भारतीयों की पहचान है. तबेला का मुद्दा आम लोगों से जुड़ा हुआ है. तबेले व्यवसाय से जुड़े विकास यादव ने कहा भेसों खरीदी पर बीएमसी परेशान करती है. दूध गाड़ियों को पुलिस रोकती है और करियर लगाने पर फाइन मारती है. ज्ञानदेवी यादव ने कहा तबेला के लोगों को बीएमसी अधिकारी गोबर,पानी के लिए परेशान करते हैं. तबले में पानी की बड़ी समस्या है.

संवाद उत्तर भारतीयों से चर्चा मुद्दों पर कार्यक्रम में महेश मलिक, क्लाइव डायस, कचरू यादव, धनंजय तिवारी, अशोक शूत्रालय, रामसेवक यादव सहित एनी वरिष्ठ कांग्रेसियों के साथ साथ उत्तर भारतीय समाज की जानी मानी हस्तियां मौजूद रहीं. इस अवसर पर बड़ी संख्या में तबेले व्यवसाय से जुड़े लोगों ने अपनी समस्याएं रखी.

टायगर ग्रुप पुलिस मित्र संघटना ने बांटे नियुक्ति पत्र

कल्याण (उत्तरशक्ति)। टायगर ग्रुप पुलिस मित्र संघटना महाराष्ट्र मुंबई कल्याण की तरफ से आयोजित की गई इस मीटिंग में कल्याण पश्चिम, उल्हासनगर शहर और कल्याण जिले के लिए नियुक्ति पत्र वितरण किया गया।

बतादें की टाइगर ग्रुप पुलिस मित्र संगठन महाराष्ट्र मुंबई कल्याण ने यह मीटिंग ऑर्गनाइज की और कल्याण वेस्ट, उल्हासनगर शहर और कल्याण डिस्ट्रिक्ट के लिए अपॉइंटमेंट लेटर बांटे गए।

इस मौके पर फाउंडर प्रेसिडेंट महेश (अन्ना) फड़तारे, वर्किंग प्रेसिडेंट अक्षय मोगरे, वाइस प्रेसिडेंट प्रवीण पवार, मुंबई प्रेसिडेंट शेखर कदम, कल्याण डोंबिवली डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट मनोज नायर, वाइस प्रेसिडेंट प्रदीप साल्वी, जनरल सेक्रेटरी श्याम भोले, सोशल मीडिया हेड विक्की टेस्टिया, रीनाताई सोनवणे, बाला बंसोडे, गौतम सोनवणे, देवबा सूर्यवंशी, समर्थ मशाल मौजूद थे।

कारपेंटरों के सम्मेलन में देश भर से जुटे कारीगर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मालाड (पश्चिम) के स्वामी विवेकानंद रोड पर स्थित दुर्गा देवी सर्राफ हॉल में कारपेंटर्स वेलफेयर असोसिएशन की ओर से आयोजित वार्षिक समारोह एक शाम कारपेंटरों के नाम में मुंबई सहित देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया.

इस अवसर पर श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी को भाजपा, मुंबई का महामंत्री नियुक्त किए जाने पर पारंपरिक विधि-विधान और गरिमा के साथ सम्मानित किया गया. सभागार में उपस्थित समाज के सदस्यों और गणमान्य लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए आचार्य पवन त्रिपाठी ने केंद्र व राज्य में भाजपा नेतृत्व की उपलब्धियों को उजागर किया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के नेतृत्व में राज्य की

सुरक्षा व्यवस्था और विकास कार्य दोनों अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहे हैं. आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने समाज से अपील की कि कमल खिलाने की जिम्मेदारी आप सबके कंधों पर है. उन्होंने आगे कहा कि कुछ ताकतें समाज को जात-पांति के नाम पर बांटना चाहती हैं, लेकिन हमें गर्व से, एकजुट हिन्दू समाज बनकर, उनके नकारात्मक प्रयासों का सामना करना चाहिए.

संस्था के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने कहा कि फर्नीचर निर्माण में बाद बदलाव आया है. कंपीटिशन के दौर में कारपेंटर भाइयों को भी नई तकनीकी और उत्पाद के साथ आगे बढ़ना होगा. इस अवसर पर पत्रकार हरिगोविंद विश्वकर्मा, आदित्य दुबे, राधेश्याम डी विश्वकर्मा,मोतीलाल एम विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे. ओजोन, एरिस्टो, कुमी और यूरो प्रायोजित कार्यक्रम में लोकगायक सुरेश शुक्ल और उनके सहयोगी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समारोह को जीवंत बना दिया। सुरों और तालियों के बीच शाम की ठंडी हवा में उत्साह की गर्माहट फैल गई। कार्यक्रम का संचालन संस्था के महामंत्री दिनेश विश्वकर्मा ने किया. समारोह में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया.

आनंद नगर में डामर रोड रिपेयरिंग कार्य पूर्ण, मनोज गुप्ता ने दर्ज की मध्यरात्रि उपस्थिति

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के वसई रोड वेस्ट शहर मंडल की ओर से आनंद नगर परिसर, वार्ड क्रमांक 26 में डामर रोड रिपेयरिंग और पेचिंग कार्य का शुभारंभ बीती मध्यरात्रि किया गया। यह कार्य भाजपा आमदार सौ. स्नेहा ताई दुबे पंडित के मार्गदर्शन तथा शहर मंडल के समाजसेवक मनोज कैलाश गुप्ता के नेतृत्व में शुरू किया गया। कार्य के दौरान मनोज गुप्ता ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर उपस्थिति दर्ज की और पूरी प्रक्रिया की निगरानी की। स्थानीय नागरिकों ने रात के समय किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि मनोज गुप्ता इसी तरह जनहित के कार्य लगातार करते रहे हैं और उनकी यह

तत्परता प्रशंसनीय है। लोगों ने आगे भी उनके लोकसेवा कार्यों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका के बीच आनंद नगर में सड़क मरम्मत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ।

सुनीता मरसकोल्हे की गैरकानूनी गिरफ्तारी के विरुद्ध विकास अधिकारियों का बेमियादी कामबंद आंदोलन जारी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र प्रदेश के वर्धा जिले की आर्वी पंचायत समिति की गटविकास अधिकारी सुनीता मरसकोल्हे को मनरेगा के कथित गबन प्रकरण में बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए गिरफ्तार करने के विरोध में महाराष्ट्र विकास सेवा संघ तथा अधिकारी वर्ग में तीव्र रोष निर्माण हो गया है। इसी निषेध स्वरूप पालघर जिला परिषद के विकास अधिकारियों ने 4 व 5 दिसंबर को सामूहिक अवकाश लेकर कामकाज बंद रखा था। लेकिन शासन की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय न लेते हुए उदासीनता दर्शाए जाने से आज 8 दिसंबर से बेमियादी कामबंद आंदोलन शुरू कर दिया गया है।

अधिकारी वर्ग का आरोप है कि मरसकोल्हे के खिलाफ की गई कार्रवाई न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रिया के विपरीत है। उनका कहना है कि मनरेगा योजनाओं में डेटा एंट्री से लेकर ठढउक मैपिंग तक की तकनीकी कार्यवाही संविदाकर्मी द्वारा की जाती है, जबकि ऊरउ केवल अंतिम तकनीकी प्रक्रिया होती है। आंदोलनकारी अधिकारियों ने कहा कि सिर्फ ऊरउ के आधार पर अधिकारी को अपराधी ठहराना सरासर अन्याय है और अधिकारी वर्ग को निशाना बनाने का प्रयास है।

इस आंदोलन को ग्रामसेवक संगठन, विस्तार अधिकारी संगठन

तथा लिपिक संवर्गीय संगठन का भी खुला समर्थन मिल रहा है। महाराष्ट्र राज्य ग्रामपंचायत अधिकारी यूनियन के राज्य सरचिटणीस सुचित घरत, महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद कर्मचारी यूनियन के पालघर जिलाध्यक्ष सुनील अहिरे, विस्तार अधिकारी पंचायत संघ के जिलाध्यक्ष राजू कोली तथा जिला परिषद कर्मचारी महासंघ के सरचिटणीस नितीन पवार ने आंदोलन स्थल पर उपस्थित होकर अधिकारियों का मनोबल बढ़ाया और गिरफ्तारी का कड़ा विरोध दर्ज किया।

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने कहा कि गटविकास अधिकारियों पर की गई कार्रवाई में कानून की मूलभूत प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ है। ऊरउ केवल अंतिम तकनीकी चरण है, इसके आधार पर सीधे अपराध सिद्ध करना अनुचित है। हम शासन से निष्पक्ष, न्यायसंगत और अधिकारी वर्ग की प्रतिष्ठा कायम रखने वाला निर्णय अपेक्षित करते हैं। 5 दिसंबर तक मांगों पर चर्चा न होने के बाद आंदोलन को बेमियादी रूप दिया गया है। इससे मनरेगा, पंचायत, घरकुल सहित अनेक महत्वपूर्ण विभागीय कार्य प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है। अधिकारी वर्ग ने शासन से तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति सामान्य करने की मांग की है। इस आंदोलन में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा) इजाज अहमद शरीक-मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (मनरेगा) अतुल पारसकर सहित सभी गटविकास अधिकारी, सहायक गटविकास अधिकारी शामिल हैं।

डॉ. हेमंत सावरा ने संसद में विकास से जुड़े तीन अहम बिल पेश किए

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। पालघर के खासदार डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने महाराष्ट्र के सर्वांगीण विकास से जुड़े तीन महत्वपूर्ण बिल एक साथ संसद में पेश कर चर्चा में नई मिसाल कायम की। इन प्रस्तावों का सीधा लाभ राज्य के स्पोर्ट्स, टूरिज्म और वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट को मिलेगा।

पहले बिल के तहत महाराष्ट्र में मॉडर्न स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित करने की मांग की गई है। इस यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स साइंस, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और स्पोर्ट्स कोचिंग में इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही एक नेशनल ट्रेनिंग सेंटर बनाकर विश्वस्तरीय प्रैक्टिस और ट्रेनिंग सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव भी है। दूसरा बिल भारत की 11,000 किमी लंबी समुद्री तटरेखा का बेहतर उपयोग करते हुए कोस्टल टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड बनाने से जुड़ा है। यह बोर्ड तटीय क्षेत्रों में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और स्थानीय लोगों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर तैयार करेगा। तीसरा बिल महाराष्ट्र में वॉटर रिसोर्स कंजर्वेशन के लिए केंद्र से विशेष आर्थिक सहायता की मांग संबंधी है। इस सहायता से पानी की कमी वाले क्षेत्रों में राहत, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और दीर्घकालीन जल प्रबंधन को मजबूत बनाने का लक्ष्य है। डॉ. सावरा द्वारा प्रस्तुत ये तीनों बिल पालघर ज़िले के साथ-साथ पूरे महाराष्ट्र के विकास को नई दिशा देने वाले माने जा रहे हैं। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, तटीय पर्यटन के लिए विशेष बोर्ड और पानी के संसाधनों के संरक्षण संबंधी ये कदम राज्य की प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

COP11 में तंबाकू हानि नियंत्रण और WHO नीतियों पर हुई बहस पर भारत की नजर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (एफसीटीसी) की 11वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सीओपी11) तंबाकू-सम्बंधित हानि को कम करने की रणनीतियों पर गहन बहस का केंद्र बन गई है। चर्चा के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाणों पर प्रतिक्रिया और सदस्य देशों के लिए प्रस्तावित तंबाकू-नियंत्रण नीतिगत दिशा पर कई सवाल उठ रहे हैं।

उडढ11 से ठीक पहले, तंबाकू नियंत्रण से जुड़े वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के रुख पर सवाल उठाए हैं। फामाकोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के 50 से अधिक स्वतंत्र विशेषज्ञों का कहना है कि डब्ल्यूएचओ की वह रणनीति,

जिसमें बिना धुएं वाले तंबाकू उत्पादों को पारंपरिक सिगरेट के बराबर हानिकारक माना गया है, दुनिया को हर वर्ष धूम्रपान से होने वाली करीब 80 लाख मौतों को रोकने के अवसर से वंचित कर सकती है। विशेषज्ञों ने कोक्रेन समीक्षा का भी हवाला दिया है—जिसे चिकित्सा साक्ष्यों का ॠगोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है। इस समीक्षा में पाया गया कि बिना धुएं वाले तंबाकू विकल्प, निकोटिन पैच या गम की तुलना में तंबाकू छोड़ने में अधिक प्रभावी साबित होते हैं। इसके बावजूद, डब्ल्यूएचओ का कहना है कि हानि-कम करने की अवधारणा एक उद्योग-चालित सोच है, न कि प्रमाण-आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति।बजट वृद्धि और कठोर नीतियों के वैश्विक प्रभाव पर चिंतासूत्रों के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन का वर्तमान तंबाकू नियंत्रण बजट लगभग 1 अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

आजमगढ़ साइबर पुलिस ने पकड़ा 110 करोड़ का अंतर्राष्ट्रीय फ्रॉड गैंग

फर्जी इंस्टाग्राम ID से खाते खरीदते थे, फिर APK से खाते खाली, 15 गिरफ़्तार

23 मोबाइल फोन, 15 सिम कार्ड, 14 ATM कार्ड, दर्जनों फर्जी APK फाइलें और फ्रॉड ट्रांजेक्शन का डेटा सहित 2 लग्जरी कारें बरामद

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय साइबर फ्रॉड रैकेट का भंडाफोड़ किया है। गैंग फर्जी PM किसान योजना और E-Chalan नाम की खतरनाक अढङ फाइलें बनाकर लोगों के मोबाइल हैक करता था और बैंक खातों से पैसे उड़ा लेता था। इस गैंग ने अब तक करीब 110 करोड़ रुपये की ठगी की है। पुलिस ने 15 आरोपियों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। गैंग ने इंस्टाग्राम पर Accountwala 9334 नाम की फेक क्ऊ बनाई थी। यहां लोगों को लालच दिया जाता था कि अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड दे दो, मोटा कमीशन मिलेगा। जैसे ही कोई व्यक्ति फंसता, उससे उससे खाता विवरण ले लिए जाते और फिर उसे फर्जी ढट किसान योजना या E-Chalan की APK भेजी जाती। जैसे ही पीड़ित इसे इंस्टॉल करता, उसका पूरा मोबाइल हैक हो जाता और खातों से पैसे गायब हो जाते। पुलिस जांच में पता चला है कि इनके पास 121 बैंक खातों का डेटा था, जिनमें से 31 खातों पर ठगी की पुष्टि हो चुकी है। देश के अलग-अलग राज्यों में इनके खिलाफ 186 से ज्यादा साइबर शिकायतें दर्ज हैं। 30 नवंबर को आजमगढ़ पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनकी निशानदेही और तकनीकी इनपुट पर पता चला कि गैंग का सरगना समद उर्फ इमरान लखनऊ में नया बड़ा फ्रॉड करने की तैयारी कर रहा है। 7 दिसंबर को इंस्पेक्टर देवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम लखनऊ पहुंची। हुसड़िया चौराहे के पास समद और अर्जुन सिंह को पकड़ा गया। इसके बाद GMC होटल और Precious BNB होटल में छापेमारी की गई, जहां से बाकी 13 आरोपी कमरों में बैठे फ्रॉड कर रहे थे। होटल के बाहर खड़ी i20 और ग्रैंड विटारा कार से तीन और आरोपी पकड़े गए। दोनों गाड़ियां सीज कर दी गई हैं। आरोपी के पास से 23 मोबाइल फोन, 15 सिम कार्ड, 14 एटीएम कार्ड, दर्जनों फर्जी APK फाइलें और फ्रॉड ट्रांजेक्शन का डेटा सहित 2 लग्जरी कारें बरामद की गई है। सभी 15 आरोपी अपना जुर्म कबूल चुके हैं। ये लोग दूसरे राज्यों में जाकर मुंह काला करके एटीएम से पैसे निकालते थे ताकि उनकी पहचान न हो सके।

समाज में पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा दलित, पिछड़ा और सामान्य वर्ग के लोगों का हो रहे शोषण

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद में चल रहे विगत दो वर्षो से दलित, महिलाओं, आदिवासियों और उनके बच्चों को आगे कर कुछ लोगों द्वारा किसी पर फर्जी मुकदमा कर परेशान व अवैध वसूली का अवैध धंधा चलाया जा रहा है। जिसका कई आडियो, वीडियो और पत्रांक सोशल मीडिया पर देखा जा रहा है। कई अपराधियों द्वारा फर्जी पुलिस अधिकारी बन लोगों को धमकी भी देते हुए आडियो कई चल रहे है। इन सभी को ध्यान देते हुए बीजेपी के पदाधिकारियों और उनके सहयोगियों द्वारा कराए जा रहे। इस प्रकार के समाज में कृत्य को ध्यान देते हुए इन सभी पर आवश्यक कार्यवाही करने की आवश्यकता है। कई पोस्टों में देखा जा रहा है की दलितों को बहला फुसला कर किसी के ऊपर फर्जी मुकदमा करा दिया जा रहा है और बाद में फर्जी साबित होने पर उन दलित, महिला, आदिवासी बच्चो को इन मुकदमों का दंश झेलना पड़ सकता है। आप इन आडियो और तमाम बातों को ध्यान देते हुए जांच कर इन अपराधियों के साथ उचित कार्यवाही कर समाज में शांति व्यवस्था बनाए। अन्यथा हमारी पार्टी इसका विरोध सड़क से संसद तक करने को बाध्य होगी।

बैंक प्रबंधक 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

आजमगढ़ में सीबीआई की छापेमारी में चपरासी भी बिचौलिये की भूमिका में पकड़ा गया, दोनों को लखनऊ ले जाकर न्यायिक हिरासत में भेजा गया

किसान क्रेडिट कार्ड लोन जारी करने के नाम पर मांगे थे 25 हजार रुपये, शिकायत पर सीबीआई ने बिछाया जाल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सीबीआई की विशेष टीम ने आजमगढ़ जिले स्थित यूपी ग्रामीण बैंक की महर्षि दुर्वासा धाम शाखा में छापेमारी कर शाखा प्रबंधक श्रवण टंडन को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में बैंक के चपरासी विश्राम को भी गिरफ्तार किया गया, जो कथित रूप से बिचौलिये की भूमिका निभा रहा था। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, ग्राम गहजी, थाना अहिरौला निवासी शिकायतकर्ता विशाल कुमार का किसान क्रेडिट कार्ड के तहत 2.25 लाख रुपये का लोन स्वीकृत हुआ था। पहली किस्त खाते में आने के बाद जब वह राशि निकालने बैंक पहुंचा, तो शाखा प्रबंधक ने चपरासी के माध्यम से 25 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायत दर्ज होने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और विशाल कुमार को एडवांस के रूप में 20 हजार रुपये शाखा प्रबंधक को देने भेजा। जैसे ही प्रबंधक ने रिश्वत की रकम स्वीकार की, सीबीआई की टीम ने उसे और चपरासी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। दोनों को लखनऊ ले जाकर रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सीबीआई ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बिजली बिल राहत योजना शिविर का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग/प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा जी ने अपने जौनपुर प्रवास के दौरान खानपुर ग्राम में आयोजित बिजली बिल राहत योजना शिविर का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर की सभी व्यवस्थाओं, पंजीकरण प्रक्रिया तथा लाभार्थियों को दी जा रही जानकारी का मूल्यांकन किया। मंत्री ने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक उपभोक्ता को योजना की सही जानकारी और सहज सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

80 उपभोक्ताओं ने कराया पंजीकरण, योजना के प्रति दिखा उत्साह- शिविर में बीते दिवस कुल 80 विद्युत उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया। कई उपभोक्ता लंबे समय से बकाया बिल को लेकर परेशान थे, लेकिन योजना के प्रति मिले सकारात्मक माहौल ने उनमें राहत और विश्वास बढ़ाया। उपभोक्ताओं ने इसे सरकार की ओर से दी जा रही ऐतिहासिक सहायता बताया, जिससे उनके आर्थिक बोझ में भारी कमी आएगी।

31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को भी मिलेगा लाभ- निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ने महत्वपूर्ण घोषणा की कि 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले उपभोक्ता भी अब बिजली बिल राहत योजना का लाभ ले सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे सभी पात्र उपभोक्ताओं की सूची तैयार कर उन्हें योजना से जोड़ने की प्रक्रिया तेज की जाए। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई भी पात्र उपभोक्ता लाभ से वंचित न रहे।

31 दिसंबर तक पंजीकरण पर 25 प्रतिशत तक की विशेष छूट- ऊर्जा मंत्री ने ग्रामीणों से अपील की कि जिन उपभोक्ताओं पर बिजली का बकाया है, वे अवश्य पंजीकरण कर इस योजना का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 31 दिसंबर तक पंजीकरण करने वाले उपभोक्ताओं को मूलधन में 25 प्रतिशत तक की विशेष छूट दी जाएगी। इसके बाद यह छूट कम हो जाएगी, इसलिए उपभोक्ताओं को प्रथम चरण में ही अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाने की सलाह दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना प्रदेश सरकार की गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत देने की एक ऐतिहासिक पहल है। गांव-गांव शिविर आयोजित कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सुविधा सीधे लोगों तक पहुंचे और उन्हें किसी भी स्तर पर कठिनाई का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर विद्युत विभाग के अधिकारी, विद्युत उपभोक्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सनबीम स्कूल की वार्षिक खेल दिवस स्पर्धा सकुशल हुई सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रविवार को नगर के प्रतिशत सनबीम स्कूल कुल्हनामऊ जौनपुर में इस वर्ष का वार्षिक खेल दिवस स्पर्धा। अत्यंत उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हर्ष मधोक ने परंपरागत तरीके से दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उनके प्रेरणादायक संबोधन ने छात्रों में ऊर्जा भर दी और उन्हें खेलों के माध्यम से जीवन के मूल को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती रिना विक्रम सिंह ने बच्चों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि खेल न केवल शरीर को मजबूत बनाते हैं, बल्कि टीमवर्क, नेतृत्व और आत्मविश्वास भी सिखाते हैं। उन्होंने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्यरत है।

स्कूल के डायरेक्टर डॉ० हरेंद्र सिंह और प्रिंसिपल श्रीमती मोनिका सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए बताया कि रढअफ्ळ्अ केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहाँ हर बच्चा अपनी प्रतिभा, समर्पण और खेलभावना का परिचय देता है।

दिनभर एथलेटिक्स, हर्डल रेस, रिले रेस, योग एवं विभिन्न टीम इवेंट्स का रोमांच देखने योग्य था। छात्रों ने अनुशासन, उत्साह और सर्वोत्तम प्रदर्शन के साथ सभी की वाहवाही लूटी। विजेताओं को आकर्षक ट्रॉफियों और मेडल्स से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं शिक्षकों ने विजेताओं को शुभकामनाएँ दीं और भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ छूने का आशीर्वाद प्रदान किया। इस प्रकार रढअफ्ळ्अ 2025 सफलता, आनंद और उत्साह के साथ यादगार बन गया। इस अवसर पर जनपद के कई सम्मानित लोग उपस्थित रहे एवं पत्रकार गण भी मौके पर मौजूद रहे।

पानी निकालने के विवाद में महिला पर लाठी-डंडों से हमला, पति और भाई भी घायल

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के रायपुर नयापुर गांव में पानी निकालने को लेकर हुए विवाद में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता मुन्नी देवी पत्नी राम साद ने आरोप लगाया है कि बुधवार शाम लगभग 5:30 बजे वह पाइप से पानी निकाल रही थीं ' तभी पाइप के छेद से पानी छिटककर बाहर आने पर पड़ोसियों ने विवाद खड़ा कर दिया। पीड़िता के अनुसार, पड़ोसी राजेंद्र, रूपबंध, देंद्र तथा सीरतापटना देवी ने अचानक गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में महिला को गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंचे महिला के पति और छोटे भाई को भी आरोपियों ने पीटकर घायल कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता ने मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई है। पुलिस प्रकरण की जांच कर रही थी। सूत्रों जानकारी मिली है इस प्रकरण में मुकदमा दर्द कर लिया गया है।

फसल चोरी और धमकी के आरोप में प्रभावशाली व्यक्ति पर केस, पुलिस ने शुरू की तलाश

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के शिवरामपुर कला गांव में फसल चोरी और धमकी के मामले ने तूल पकड़ लिया है। ग्रामीणों ने गांव के एक प्रभावशाली व्यक्ति पर उनके खेतों से फसल चोरी करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकताओं सुफैर सोनकर, छेदी सोनकर और कन्हैया सोनकर ने आरोप लगाया कि गांव के निवासी पंचम सोनकर उनके खेतों से गेहूं, प्याज, चना तथा सरसों जैसी खड़ी फसलें चुरा ले गया। ग्रामीणों का कहना है कि पंचम सोनकर अक्सर अपने 100 से 150 तक सूअरों को खेतों में छोड़ देता है, जिससे उनकी फसलों को भारी नुकसान पहुंचता है।

ग्रामीणों के अनुसार, रविवार की देर रात करीब 3 बजे जब उन्होंने पंचम सोनकर को रोकने की कोशिश की, तो उसने गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। स्थिति बिगड़ने पर ग्रामीणों ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाया गया हो। उनके अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले भी कई बार चालान हो चुके हैं और वह लगातार ग्रामीणों की फसलों को नुकसान पहुंचाता रहा है।

प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी पंचम सोनकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश अभियान शुरू कर दिया है।

ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि पुलिस जल्द ही आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

बाग में रस्सी के सहारे लटकता मिला युवक का शव

शाहगंज जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के ईशापुर (बंजारी) गांव के बाग में चिलबिल के पेड़ पर रस्सी के सहारे एक युवक का शव लटका मिला।शव देख लोगों के बीच सनसनी फैल गई, वहीं परिवार में कोहराम मच गया। बहरहाल पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। सोमवार सुबह उक्त गांव निवासी एक युवक जब खेत की सिंचाई करने बाग की तरफ गया तो उक्त नजारा देख सहम सा गया। शव मिलने की सूचना होते ही मौके पर लोगों का जमावड़ा सा लग गया। मृतक की पहचान अमावाखुर्द गांव निवासी लक्ष्मी शंकर यादव उर्फ पप्पू यादव 43 पुत्र ओरी यादव के रूप में हुई। सूचना पाकर रोते बिलखते परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। प्रथमदृष्टया मृतक द्वारा आत्महत्या किए जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। बहरहाल पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक रविवार सुबह से ही घर से निकला हुआ था।दो माह बाद बेटी के हाथ पीले करने का सपना लिए मृतक का शव घर से लगभग एक किलोमीटर दूर इस कदर पाकर सभी अवाक थे। मृतक एक बेटी और एक बेटे का पिता था। उधर पत्नी दुलारी देवी बेटी के हाथ पीले होने के साथ ही परिवार के बेसहारा होने पर बेसुध सी थी। इस बाबत थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ज्वेलरी शॉप में 50 लाख की सेंधमारी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के बहादुरपुर में चोरों ने पीछे की दीवार तोड़कर ज्वेलरी दुकान में बड़ी चोरी को अंजाम दिया। देर रात घुसे चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर सोनेझचांदी के जेवर और नकद समेत करीब 50 लाख रूपए पार कर दिए। सोमवार सुबह दुकान खुलने पर सामान बिखरा और तिजोरी टूटी मिली। पीड़ित ने बताया कि घर में तेरही होने के चलते दुकान दो दिन से बंद थी। सूचना पर सीओ कृष्णमुरारी शर्मा और कोतवाल गगन राज मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे हैं।

रामअवध सिंह मेमोरियल में दूसरा ओपन जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन

रामकुमार गुप्ता

मुर्धवा रेनुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद सोनभद में बाबू राम सिंह महाविद्यालय, खाड़पाथर, मुर्धवा, रेनुकूट सोनभद्र में दिनांक 07/12/2025 दिन रविवार को रामअवध सिंह मेमोरियल दूसरा ओपन जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सभी जूनियर, सिनियर, मेन्स एण्ड वेटरन्स वर्ग के प्रतिभागी प्रतिभाग किये। जिसका शुभारभ प्रातः 10 बजे महाविद्यालय के प्रबन्धक ई० बलवन्त सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० जौली अम्बष्ठा ने खेल में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों का मनोबल के साथ उत्साहवर्द्धन किया और खेल के महत्व को भी बताया। टेबल टेनिस के जिला स्तरीय सचिव आलोक कुमार तिवारी व ट्रेजर्स अजय कुमार सिंह के साथ ही अन्य खेल पदाधिकारी तथा महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रतियोगिता पाँच वर्ग में खेला गया जिसमें कैडेट यू-13 मेन्स वर्ग में प्रथम स्थान सत्यशौर्य अमिष्ट, सब जूनियर वर्ग यू-15 मेन्स वर्ग में प्रथम स्थान अर्जुन अजय सिंह, जूनियर वर्ग यू-17 मेन्स वर्ग में प्रथम स्थान आशुतोष तिवारी, मेन्स वर्ग ए-17 में प्रथम स्थान अब्दुल्ला खान, साथ ही बालिका जूनियर वर्ग यू-17 में प्रथम स्थान किर्ती वर्मा अर्जित किये। महाविद्यालय के प्रबन्धक ई० बलवन्त सिंह ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य एवं उन्नति के लिये शुभकामनाएं देते हुए आयोजन को सम्पन्न कराया।

सारनाथ म्यूजियम गेट नं.3 के पास स्ट्रीट कार्ट से 10 हजार की सामग्री चोरी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के सारनाथ पुरातत्व संग्रहालय के गेट नंबर 3 के पास स्ट्रीट कार्ट से रात में चोरों ने धातु की कीमती वस्तुएं चुरा ले गए।चोरी गई सामग्री की कीमत लगभग 10 हजार रुपये आंकी जा रही है।

पीड़िता वेंडर कोमल (कार्ट नंबर 49) ने बताया कि रविवार शाम करीब 7 बजे वह अपनी दुकान (स्ट्रीट कार्ट) को तिरपाल से ढककर सलारपुर स्थित अपने घर चली गई। सोमवार सुबह जब वह वापस आई और तिरपाल खोली तो पीछे की तरफ प्लास्टिक को ब्लेड से काटकर चोर सामान निकाल ले गए थे।

चोरी हुई सामानों में तिब्बती सिंगिंग बाउल,म्यूजिकल ड्रम और अन्य धातु की छोटी-छोटी मूर्तियां शामिल हैं।कोमल ने तुरंत इसकी लिखित शिकायत सारनाथ थाने में दर्ज कराई है।सारनाथ पुलिस जांच में जुटी।स्थानीय लोगों का कहना है कि संग्रहालय के आसपास रात में अक्सर असामाजिक तत्व व नशेड़ी घूमते दिखते हैं।

दिल्ली के लालू पहलवान ने गोरखपुर के खलीफा को किया चारो खाने चित्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज क्षेत्र के छंगापुर में सत्यम पहलवान के संयोजन और समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से एक विराट दंगल का आयोजन किया गया। इस दंगल में दिल्ली के लालू पहलवान ने गोरखपुर के खलीफा को चारों खाने चित्त कर मुख्य मुकाबला अपने नाम किया।

इस आयोजन में कुल 20 जोड़ी पहलवानों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। अन्य मुकाबलों में, सुजानगंज के सत्यम ने मेरठ के अरशद को, प्रयागराज के अरविंद तिवारी ने गाजीपुर के गजाधर को, नेपाल के बादल थापा ने कानपुर के काशी को और अयोध्या के सुदामा ने मिजार्पुर के कासिम को पराजित कर जीत हासिल की। इन पहलवानों ने भी अपनी जीत से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम का उद्घोषक वाराणसी के लाला पाठक रहे, जबकि ओमप्रकाश (कृषि विभाग) और संतलाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर सपा नेता पंकज मिश्रा, बसपा नेता विनोद मिश्रा और भाजपा नेता व सुजानगंज ब्लॉक प्रमुख पति श्रीप्रकाश शुक्ला सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दंगल के अंत में, आयोजक सत्यम मिश्रा ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुरानी रंजिश में बढ़ा विवाद, पड़ोसी दंपती पर युवक को पिटाई करने का आरोप

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के विजईपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद मंगलवार शाम हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते एक युवक को उसके पड़ोसी दंपती ने मारपीट कर घायल कर दिया। घटना लगभग शाम 5:30 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित नीरज सिंह पुत्र त्रिभुवन सिंह, निवासी विजईपुर, ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उनके पड़ोसी सुग्रीव उर्फ नन्हे तथा उनकी पत्नी पुष्पा देवी ने पहले उन्हें गाली-गलौज किया। नीरज सिंह के विरोध करने पर आरोप है कि दोनों ने मिलकर उनकी पिटाई कर दी, जिससे उन्हें कई चोटें आईं। घटना के बाद घायल नीरज सिंह थाने पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। उन्होंने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉ, जौनपुर
नि:शुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक

Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ

Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)

अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट

OPD Fee	Free
Cholesterol	150/-
HbA1C	700/-
BMD	1500/-
PFT(Asthma)	1500/-
TSH	250/-
Sugar	50/-
Diet Councelling	200/-
Neuropathy	1000/-
Uric Acid	100/-
RA	150/-
TOTAL AMOUNT	5600/- Free

मो० नं० 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
डा० मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571

केन्द्र सरकार से पेंशनर्स नाराज, पन्द्रह दिसंबर को करेगे धरना-प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जनपद शाखा की मासिक बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर्स कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सी बी सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई, बैठक मे केंद्रीय बेतन आयोग के संकल्प पत्र मे पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को सम्मिलित नही किए जाने से पेंशनर्स आक्रोशित है।

पेंशनर्स बेतन आयोग के गठन का भारत का राजपत्र मे पूर्व की भाँति पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स का भी उल्लेख करने की मांग करते हुए ' आगामी पन्द्रह दिसंबर 2025 को प्रदेश के अन्य जनपदो के साथ जिला मुख्यालय पर पुर्वान्ह साढे ग्यारह वजे से धरना-प्रदर्शन कर मा0प्रधान मन्त्री भारत सरकार व अन्य को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजकर पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को सम्मिलित किए जाने की मांग करेगे।बैठक मे वक्तओ ने विगत सात वेतन आयोग से हटकर जारी भारत का राजपत्र मे पेंशनर्स का टर्म्स रिफरेन्स सम्मिलित नही किए जाने से पेंशनर्स को आठवे वेतन आयोग की सिफारिश सेअलग करने की आशंका व्यक्त करते हुए सरकार से तत्काल पुर्व की भाँति पेंशनर्स को भी सम्मिलित करने की मांग किया।साथ ही होने वाले धरना-प्रदर्शन मे तन मन धन से सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। बैठक को मुख्य रूप से ओकांर नाथ मिश्र, डॉक्टर भारत यादव, कृष्ण कुमार त्रिपाठी,बिक्रमाजीत यादव, नन्दलाल सरोज, नरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, गोरखनाथ माली,चन्द्र शेखर सिंह, अजय सिंह, सूबेदार यादव, सुक्खुराम, कंचन सिंह, विजय शंकर सिन्हा,शेषनाथ सिंह, अशोक कुमार मौर्य, इ0प्रमोद कुमार सिंह, वी बी सिंह, जिया राम यादव, मदन मोहन सोनकर, मुकुन्दलाल उपाध्याय, शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, मन्जूरानी ,प्रेमलता श्रीवास्तव बलिराम यादव आदि ने सम्बोधित करते हुए भारी संख्या मे धरना-प्रदर्शन मे उपस्थित होने की अपील पेंशनर्स से किया।बैठक का संचालन जिलामन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने किया।

उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूरबबस एक नाम : बिजेंद्र सिंह

वसई (उत्तरशक्ति)। सुबोधानंद महाराज ने कहा कि बिजेंद्र सिंह के जीवन की विस्तृत वीथिका पर कुछ पगचिह्न ऐसे उभरते हैं, जो केवल धूल नहीं उड़ाते वे इतिहास की मिट्टी पर अपनी अमिट छाप छोड़ जाते हैं। वसई तालुका की सियासत में ऐसा ही एक धधकता, दमकता और दिशा दिखाता नाम है बिजेंद्र सिंह है। यह नाम केवल एक राजनीतिक पद की आकांक्षा नहीं, बल्कि संकल्प, संघर्ष और साधना से सजी एक मार्मिक गाथा है।

वर्षों की तपस्या, नागिन दास की वे संकरी गलियां, धार्मिक आयोजनों की आवाज,कड़े जनसंपर्क का पथ, और अंतहीन चुनौतियों की भट्टी इन्हीं सबने मिलकर उन्हें अनमोल हीरा बनाया है। उत्तर भारतीय समाज हो या सर्वजातीय समुदाय हर हृदय में उन्होंने विश्वास की वह 4 जगह बनाई है जहाँ सम्मान भी है और अपनापन भी। बिजेंद्र सिंह जी की यात्रा किसी आरामदायक कुर्सी या राजनीतिक संरक्षण से प्रारंभ नहीं हुई। यह शुरूआत हुई नालासोपारा की तंग गलियों से जहाँ पसीने की बूंदें, धूप की तपिश और जनता के बीच का निरंतर संवाद उनकी शक्ति और प्रेरणा बने।

प्रतापगढ़ के एक साधारण, सुसंस्कृत परिवार में जन्मे इस व्यक्तित्व ने अपनी कर्मभूमि महाराष्ट्र को चुना और नेताओं के दरवाजे पर नहीं, बल्कि जनता की गलियों,समस्याओं और संघर्षों में कामयाबी की सीढ़ियाँ चढ़ीं। हर विरोध, हर ताना, हर चुनौती को उन्होंने कमजोरी नहीं बल्कि हथियार बनाया।

क्योंकि यह संघर्ष केवल राजनीतिक ऊँचाई का नहीं था यह उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र तक फैले हजारों युवाओं, व्यापारियों और आमजन की आवाज बनने की ज़िम्मेदारी थी जिसे वे आज भी पूरी निष्ठा से निभा रहे है। बिजेंद्र सिंह की सम्पूर्ण यात्रा हमें यह गहन और मार्मिक सीख देती है कि राजनीति पद या सत्ता का खेल नहीं है। यह हृदय की सेवा है,आँसू पोंछने की संवेदना है, और जनता के लिए निरंतर स्वर बनने का व्रत है। उनका हर कदम, हर वक्तव्य,उनकी संघर्षपूर्ण पृष्ठभूमि और आध्यात्मिक दृष्टि को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने अपने धार्मिक संकल्प को ही अपने क्षेत्र की सेवा का मार्ग बना लिया यही उनका असली गुरुत्व है।

चौदह से बाइस दिसंबर तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में आगामी 14 दिसंबर से 22 दिसंबर तक सघन पल्स पोलियों अभियान चलेगा जिसमें पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी। जौनपुर के अलावा आगरा, अम्बेडकरनगर,अमेठी, अयोध्या, बदायूं, भदोही, बांदा, चंदौली, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, हमीरपुर, हाथरस, जालौन, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कुशीनगर, ललितपुर, लखनऊ, महोबा,मऊ, मथुरा, मिजार्पुर, पीलीभीत, सोनभद्र, उन्नाव एवं वाराणसी जनपद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि जनपद जौनपुर में वर्ष 2007 के बाद पूरे प्रदेश में वर्ष 2010 के बाद और पूरे देश में 2011 के बाद पोलियो का कोई मामला सामने नहीं आया है।देश पोलियो मुक्त घोषित कर दिया है लेकिन पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में इक्का-दुक्का मामले देखने को मिल जाते हैं जिस कारण एहतियातन भारत में अभी भी अभियान चलाना पड़ रहा है।

वन्दे मातरम की 150वी वर्षगाठ पर लोस में चर्चा पर सांसद ने दी बधाई

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज भारत के सबसे बड़े पंचायत में लोक सभा में वन्दे मातरम् की 150वी वर्षगाठ पर चर्चा हुई। आरंभ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जो ऐतिहासिक बातें कही गयी उसपर बिहार के 19 महाराजगंज लोक सभा, सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश के 140 करोड़ जनता और लोकसभा के लिए आज का दिन राष्ट्रीय गर्व का दिन है क्योकि लोकसभा में वन्दे मातरम् जैसे राष्ट प्रेरक गीत की पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस गीत के प्रारंभ होने के कालखंड के ऐतिहासिक बातों की सच्चाई को देश के सामने उजागर किया हैं ' सांसद सीग्रीवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा चर्चा में यह कहना कि इस गीत को खंडित करके राष्ट्र गीत बनाने का काम,कांग्रेस द्वारा मुस्लिम लीग के दबाव में किया गया। इस सच्चाई को जानकर आज हमारे देश के युवाओं सहित देश की करोड़ों जनता घोर आश्चर्ज करेगी कि भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हर स्तर पर बड़े पैमाने पर प्रेरणा देने वाली इस ऐतिहासिक मूल गीत के साथ कांग्रेस द्वारा कैसा छेड़-छाड़ किया गया ' यह बात कांग्रेस के पुराने कुत्सित खंडित मानसिकता को भी जनता के सामने लाने का कार्य किया है ' अंत में सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने वन्दे मातरम् पर लोकसभा में चर्चा कराने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को हृदय से बधाई और धन्यवाद् देते हुए कहा कि देश की आजादी के आन्दोलन को त्याग, तपस्या का मार्ग दिखाते हुए ऊर्जा प्रदान कर प्रेरणा देने वाली वन्दे मातरम् गीत जैसे विषय पर लोकसभा में आज चर्चा होने से हमारे देश के युवाओं को सच्ची शिक्षा और प्रेरणा मिलेगी आने वाली पीढीयों के लिए भी यह चर्चा प्रेरणा देने का कार्य करेगी।

महाराष्ट्र के शिक्षकों के लिए मराठी भाषा में लॉन्च हुआ खान अकैडमी का मुफ्त अकशिक्षक सहायक खानमीगो

मुंबई। खान अकैडमी इंडिया ने आज घोषणा की कि उनका अक संचालित शिक्षक सहायक खानमीगो अब मराठी भाषा में भी उपलब्ध है। इस लॉन्च के बाद महाराष्ट्र के शिक्षक अंग्रेजी, हिंदी और उड़िया के साथ-साथ अब मराठी में भी खानमीगो का मुफ्त उपयोग कर सकेंगे। खानमीगो को भारतीय शिक्षकों के लिए पहली बार नवंबर 2024 में उपलब्ध करवाया गया था। यह पाठ की योजना बनाने, गतिविधियाँ तैयार करने और कक्षा में विद्यार्थियों की रुचि बनाए रखने में सहायता के लिए अकद्वारा संचालित विभिन्न टूल्स प्रदान करता है। देश भर के हजारों शिक्षकों ने कक्षा की तैयारी में लगने वाले समय को कम करने और बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देने में सहायता के लिए खानमीगो को अपनाया है। इस मौके पर खान अकैडमी इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर, स्वाति वासुदेवन ने कहा कि शासकीय विद्यालयों के शिक्षक अक्सर शैक्षणिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बोझ से दबे होते हैं। खानमीगो एक अच्छे शिक्षण सहायक के रूप में इस तनाव को कम करने में सहायता करता है। इसे मराठी भाषा में उपलब्ध करवाना, इसे शिक्षकों की दैनिक जीवन की भाषाओं में सेवा प्रदान करने के हमारे बड़े लक्ष्य का एक हिस्सा है। हमारा लक्ष्य आने वाले महीनों में इसका और अधिक भारतीय भाषाओं में प्रसार करना है। खान अकैडमी का प्रयोग महाराष्ट्र के सभी शासकीय विद्यालयों में किया जाता है। शिक्षक अब अपने खान अकैडमी शिक्षक खाते में लॉगिन करके और अपनी भाषा के रूप में मराठी का चयन करके खानमीगो का उपयोग कर सकेंगे। वर्तमान में महाराष्ट्र के 30,000 से अधिक शासकीय विद्यालयों के 10 लाख से अधिक विद्यार्थी खान अकैडमी पर पंजीकृत हैं, और लगभग 1.8 लाख विद्यार्थी इस प्लेटफार्म के माध्यम से सीख रहे हैं। यह कार्यक्रम शेल और कॉग्निजेंट फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित है, जो गणित और विज्ञान में अच्छी शिक्षा के लिए शिक्षण संसाधनों तक पहुँच बनाने में मदद कर रहे हैं। खानमीगो का विश्व भर में विस्तार, जो कि माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से संभव हुआ है, दुनिया भर की कक्षाओं में परिवर्तनकारी और फ्री शिक्षण उपकरण उपलब्ध करवाने के खान अकैडमी के मिशन को दर्शाता है। वर्तमान में 40 से अधिक देशों में उपलब्ध खानमीगो, शिक्षकों को अक का सार्थक और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने में मदद कर रहा है।

कनहर सोन तट पर छात्रों का शैक्षिक भ्रमण, जैव विविधता, नदी तंत्र व आदिवासी संस्कृति पर अध्ययन

घोरावल , सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सोनांचल इंटरमीडिएट कॉलेज, घोरावल के छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कनहर सोन की सहायक नदी तट, हाथीनाला बायोरिजर्व हॉटस्पॉट, एवं आसपास के प्राकृतिक स्थलों का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान छात्रों को पठारी भूभाग की नदियों, जल प्रवाह के स्वरूप तथा नदी किनारे विकसित जैव-पर्यावरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि हाथीनाला प्रदेश स्तरीय बायोरिजर्व हॉटस्पॉट घोषित है, जहाँ विविध प्रजातियों के वृक्ष, वन संसाधन और स्थानीय पारिस्थितिकी संरक्षण का विशेष महत्व है। इसके साथ ही छात्रों को सोनभद्र के दक्षिणी क्षेत्रों में निवास करने वाली जनजातीय समुदायों की जीवनशैली, परंपरा और सांस्कृतिक विशेषताओं से भी अवगत कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मां वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किया तथा सोन इको प्वाइंट से प्राकृतिक घाटियों व हरियाली का दृश्यावलोकन भी किया, जिसे सभी ने रोमांचक अनुभव बताया। इस शैक्षणिक यात्रा में विद्यालय के अध्यापक लवकुश सिंह, दिनेश कुमार पाठक, अरुण कुमार पाल, अली मुख्तार, लिपिक दिनेश कुमार एवं कृष्णावती मौर्य उपस्थित रहीं।

वाइज का मल्टी-करेंसी ट्रैवल कार्ड भारत में लॉन्च

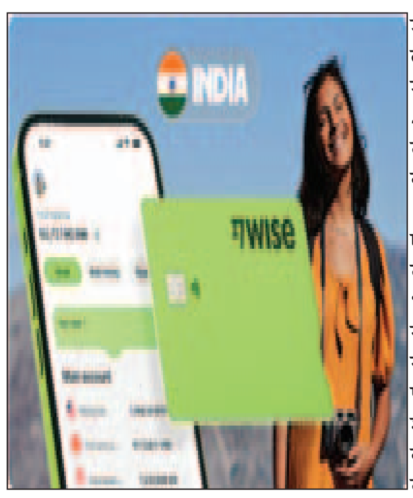

मुंबई/हैदराबाद। वैश्विक फिनटेक कंपनी वाइज ने आज भारत में अपना मल्टी-करेंसी ट्रैवल कार्ड लॉन्च किया। यह लॉन्च ऐसे समय पर हुआ है जब देश में विदेशी यात्राओं की संख्या अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुँच चुकी है और अंतरराष्ट्रीय यात्रा सीजन भी पूरी तरह शुरू हो चुका है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भारत से बाहर जाने वाली यात्राएँ 3.89 करोड़ तक पहुँच गईं। इनमें 42.5% यात्रा पर्यटन, 34.7% पारिवारिक यात्राएँ और 14.9% व्यवसायिक उद्देश्य से थीं। खर्चों में भी तेज वृद्धि दर्ज हुई है – जहाँ पहले भारतीय पर्यटक हर साल करीब 3-4 बिलियन डॉलर खर्च करते थे, वहीं पिछले दो वर्षों में यह राशि बढ़कर औसतन 17 बिलियन डॉलर हो गई है। यात्रा बढ़ने के बावजूद, भारतीय उपभोक्ता आज भी पारंपरिक फॉरेक्स कार्ड्स पर 2-4% तक के छिपे शुल्क का भुगतान कर रहे हैं, जिससे विदेशी भुगतान कई गुना महंगे साबित होते हैं। उदाहरण के तौर पर, 2 लाख रूपए की विदेशी मुद्रा पर ग्राहकों को 4,000 से 8,000 रूपए तक अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता है।

वाइज की साउथ एशिया एक्सपेंशन लीड तानिया भारद्वाज ने कहा, भारतीय अब रिकॉर्ड संख्या में विदेश यात्रा कर रहे हैं, लेकिन पारंपरिक फॉरेक्स सिस्टम की छिपी शुल्क संरचना हर यात्रा को महंगा बना देती है। वेटलिस्ट की प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि लोग अब पारदर्शिता और बेहतर अनुभव चाहते हैं। हमारा उद्देश्य यही है– यात्रा भुगतान को सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाना।

वरिष्ठ साहित्यकार जटाशंकर प्रियदर्शी को मिलेगा साहित्य रत्न सम्मान

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मौलिक विचार एवं साहित्यिक सर्जना की प्रतिनिधि पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा द्वारा प्रवर्तित साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज इस माह का साहित्य रत्न सम्मान वरिष्ठ साहित्यकार जटाशंकर प्रियदर्शी को प्रदान करेगा। उपरोक्त निर्णय साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज की मासिक बैठक में आज सर्व सम्मति से लिया गया जिसकी अध्यक्षता पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने की । डॉ. योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु के संचालन में उनके आवास पर सम्पन्न हुई बैठक में मासिक पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा को और अधिक साहित्य निष्ठ बनाने का संकल्प लिया गया और साथ साथ पत्रिका परिवार में मातृशक्ति को भी प्रतिनिधित्व दिए जाने पर प्रस्ताव पारित किया गया। सह संपादक मंडल में श्रीमती रेखा तिवारी को शामिल करने पर सहमति जताई गई। पत्रिका में कुछ स्थाई स्तंभ बढ़ाने एवं कलेवर को और अधिक आकर्षक बनाने का निर्णय लिया गया। दिसम्बर माह का साहित्य रत्न सम्मान वरिष्ठ साहित्यकार जटाशंकर प्रियदर्शी को प्रदान करने का निर्णय लिया गया जो साहित्यकार सत्कार आपके द्वार सम्मान योजना में प्रत्येक माह में दिया जाता है। मासिक पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा के नगर कार्यालय (सम्पादकीय) को डॉ .योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु के आवास पर ही करने का भी प्रस्ताव करतल ध्वनि से पारित किया गया । साहित्यांजलि प्रकाशन से जुड़े सम्मानित साहित्यकारों को भी क्रमशः सम्मानित कराए जाने पर भी आम सहमति जताई गई ।

इस महत्वपूर्ण बैठक में डॉ .भगवान प्रसाद उपाध्याय , डॉ. राम लखन चौरसिया वागीश , डॉ. राम सुख यादव , रवीन्द्र कुशवाहा , शंभूनाथ श्रीवास्तव , श्रीमती रेखा तिवारी ने अपने विचार व्यक्त किए। आभार डॉ .योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु ने व्यक्त किया।

सरकारी कार्यों में निर्माण पूर्व नहीं लगाया जाता है प्राक्कलित बोर्ड

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में शिलान्यास के समय निर्माण स्थल पर संबंधित योजना का सूचना-पट्ट (बोर्ड) लगाना अनिवार्य है। उस बोर्ड पर सरकारी नियम के तहत निर्माण करने वाले विभाग का नाम, ठेकेदार का नाम, योजना का नाम, प्राक्कलन राशि, इंजीनियर का नाम, शिलान्यास की तिथि, कार्य समाप्ति की तिथि और अन्य विवरण लिखना अनिवार्य है। लेकिन महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में इस सरकारी नियम का पंचायत स्तर से लेकर एमपी , एम एलए एमिल के योजनाओं तक में बोर्ड नहीं लगाया जाता है। जो नियम का उल्लंघन किया जा रहा है। इसे जांच करने पर अधिकांश योजनाएं घेरे में आजाएगी। कार्य के विवरण, प्राक्कलन व प्राक्कलित राशि का बोर्ड नहीं लगाया गया है। ऐसे में सरकारी कार्य एजेंसी व स्थानीय अधिकारियों के कार्यशैली पर लोग सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना कि बोर्ड नहीं लगाने से संबंधित योजना की जानकारी आम जनता को जानकारी नहीं हो पाती है। ऐसे में ठेकेदार मनमाना ढंग से कार्यों को कराते हैं। शिलान्यास के समय बोर्ड लगने से कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता रहने की संभावना रहती है। बोर्ड लग जाने की स्थिति में लोग वहां हो रहे कार्यों की गुणवत्ता सहित अन्य चीजों को देखने लगते हैं। इससे बचने के लिए ठेकेदार के द्वारा कार्य से पूर्व बोर्ड नहीं लगाया गया है। जबकि प्रावधान के मुताबिक कार्य शुरू करने से पूर्व स्थल पर बोर्ड लगाना अनिवार्य है। गौरतलब हो कि सरकार द्वारा कार्य में पारदर्शिता को लेकर किसी भी योजना का कार्य शुरू करने से पहले योजना के नाम से लेकर प्राक्कलित राशि समेत अन्य जानकारी अंकित कर निर्माण स्थल पर बोर्ड लगाना अनिवार्य है। इसके लिए विभिन्न प्रकार के बोर्ड हेतु अलग-अलग राशि भी निर्गत होती है। बोर्ड नहीं लगने की होगी शिकायतः दूसरी ओर भाजपा की सिवान जिला पूर्वी के प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि अधिकारियों की मनमानी नहीं चलेगी। सरकार को बदनाम करने वाले अधिकारियों की शिकायत मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री से किया जाएगा। बोर्ड नहीं लगाए जाना घोर लापरवाही है।

शॉप्सी का त्योहारों पर उपभोक्ता विश्लेषण: छोटे शहरों ने दी मजबूत वृद्धि की रफ्तार

बेंगलुरु। फ्लिपकार्ट का हाइपर-वैल्यू प्लेटफॉर्म शॉप्सी ने इस त्योहारी सीजन में उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज किया, जिसमें ऑर्डर्स और नए ग्राहकों की संख्या में तेज वृद्धि देखी गई। यह वृद्धि विशेष रूप से भारत के टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहरों से आई, जिससे प्लेटफॉर्म की गहरी पहुंच और बढ़ता उपभोक्ता भरोसा स्पष्ट होता है। प्लेटफॉर्म पर युवा खरीदारों की सक्रियता, प्रमुख कैटेगरी में मजबूत मांग और दोबारा खरीदारी करने वाले ग्राहकों की बढ़ती संख्या ने उपभोक्ता व्यवहार में सकारात्मक बदलाव को दशार्या। इस फेस्टिव अवधि में छोटे और उभरते शहरों से मिली भागीदारी सबसे उल्लेखनीय रही। शीर्ष टियर-3 और टियर-4 केंद्रों में वेल्लोर, मेदिनीपुर, पूर्वी गोदावरी, चित्तूर, बर्धमान, भागलपुर, पुरी, अगरतला और बांकुरा शामिल रहे। इन बाजारों ने न केवल उच्च ऑर्डर वॉल्यूम दिया, बल्कि दिवाली के दौरान प्रमाणित और ब्रांडेड उत्पादों की बढ़ती मांग भी प्रदर्शित की। 18-34 वर्ष की आयु वर्ग के उपभोक्ताओं ने कुल ऑर्डर्स में लगभग 80% का योगदान किया, जिसमें 25-34 आयु वर्ग के खरीदार 46% के साथ सबसे आगे थे, उसके बाद 18-24 ने 34% का योगदान दिया, यह डिजिटल-फर्स्ट, पैसा वसूल उत्पाखद चाहने वाले खरीदारों के बीच मजबूत आकर्षण दिखाता है। कपिल थिरानी, वाइस प्रेसिडेंट, शॉप्सी और फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस, ने कहा, 2025 का त्योहारों का सीजन शॉप्सी के लिए बेहद सफल रहा। वेल्लोर, पूर्वी गोदावरी, अगरतला और भागलपुर जैसे भारत के विभिन्न हिस्सों से खरीदारों की बड़ी संख्या ने प्लेटफॉर्म से जुड़कर इसे व्यापक स्वीकृति दी। यह परिणाम दिखाता है कि शॉप्सी न केवल विविध और मूल्य-संगत उत्पाद उपलब्ध कराता है, बल्कि छोटे व्यापारियों और स्थानीय विक्रेताओं को भी प्रगति का अवसर देता है।

महिला पुलिस टीम द्वारा मिशनशक्ति 05 के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थानों पर किया जा रहा है जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर की महिला पुलिस टीम द्वारा मिशनशक्ति 05 के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थानों/ स्कूलों/ बाजार / चौक/ गांवों इत्यादि जगहों पर अभियान चलाकर महिलाओं/ बालिकाओं/ छात्राओं को किया जा रहा है जागरूक व संदिग्धों को दी गयी हिदायत। नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन, UPPolice की सेवाओं व शासन द्वारा चलाये जा रहें विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है। जागरुक बनें, सुरक्षित रहें। 1090 महिला पावर लाइन (महिलाओं के लिए हेल्पलाइन), 181 महिला हेल्पलाइन (महिलाओं के लिए आपातकालीन सहायता), 112 आपातकालीन सेवा (पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के लिए), 1076 सीएम हेल्पलाइन (मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए शिकायतें और सुझाव), 1930 साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन (साइबर अपराधों के लिए सहायता)छात्राओं को दी गई उपयोगी जानकारी, महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर, वूमेन पावर लाइन : 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा : 112, महिला हेल्पलाइन : 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन : 1076, चाइल्ड लाइन : 1098 ,एम्बुलेंस सेवा : 108, स्वास्थ्य सेवा : 102, साइबर क्राइम हेल्पलाइन : 1930, प्रासंगिक विषयों पर मार्गदर्शन, गुड टच- बैड टच की जानकारी। घरेलू हिंसा व उससे संबंधित कानूनी प्रावधान, साइबर अपराधों के खतरों और उनसे बचाव के उपाय, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ। मिशन शक्ति केंद्रों की भूमिका , सभी को अवगत कराया गया कि जनपद के प्रत्येक थाने पर नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्र कार्यरत हैं। इन केंद्रों पर महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श, शिकायत निस्तारण एवं योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

कड़ाके की ठंड में अलाव की मांग

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडलीय क्षेत्र में लगातार गिरते तापमान ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। ठंडी हवाओं व कोहरे के कारण महाराजगंज शहर में सुबह और शाम के समय ठिठुरन काफी बढ़ गई है। ऐसे में महाराजगंज नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के लोगों ने अलाव की व्यवस्था जल्द शुरू करने की मांग की है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सर्दी बढ़ने के बावजूद अब तक नगर पंचायत द्वारा प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और भीड़ भाड़ वाले जगहों पर अलाव की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। विभिन्न वार्डों के लोगों ने बताया कि शाम होते ही छोटे बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग ठंड से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। बाजार, स्टेशन रोड, और मुख्य सड़कों पर अलाव की तत्काल जरूरत महसूस की जा रही है।

11 दिसंबर को गया पहुँचेगी आरसीएम की रूपांतरण यात्रा

गया(उत्तरशक्ति)। आरसीएम की रूपांतरण यात्रा 11 दिसम्बर को गया पहुँचेगी, जिसमें अब तक देश के कई शहरों में एक लाख से अधिक नागरिक जुड़ चुके हैं। इस यात्रा के दौरान आम नागरिक,बच्चे, महिलाएं और परिवार स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार जैसे मुख्य सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प ले रहे हैं। यह 100 दिनों की, 17,000 किलोमीटर लंबी राष्ट्रव्यापी यात्रा 75 शहरों का दौरा करेगी और 25 भव्य समारोहों का आयोजन करेगी। रूपांतरण यात्रा के मार्गदर्शक तिलोकचंद छाबड़ा ने कहा कि जब लोग बिना किसी अपेक्षा के सेवा के लिए आगे आते हैं, तो वह एक आयोजन नहीं बल्कि जागरण होता है। आरसीएम के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ छाबड़ा ने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से हम नए सदस्यों को एक मूल्य-आधारित, जन-संचालित यात्रा से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। गया में रूपांतरण रथ के भव्य स्वागत और कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है। यह कार्यक्रम सुबह आरसीएम के प्राण गीत से शुरू होगा, जो आरसीएम के मुख्य उद्देश्यों और सिद्धांतों को प्रस्तुत करेगा, इसके बाद शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए एक योग सत्र होगा। स्वास्थ्य क्रांति के साथ-साथ आरसीएम द्वारा उठाए गए विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित पहलों का परिचय दिया जाएगा। उपस्थित लोग सेवा गतिविधि में भाग लेंगे और एक डॉक्यूमेंट्री में आरसीएम की प्रभावशाली यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा।